



पृष्ठ 2

कॉउन्सलिंग
सेन्टर का
संदेश



पृष्ठ 5



इनसे क्या कहें ?

पृष्ठ 6



फच्चा विशेषांक

पृष्ठ 8



खबरें : आई.आई.
टी. खडगपुर के निर्देशक पद की सूची
खारिज

केजीपी में आये बदलाव

नालन्दा अकादमिक कामप्लेक्स

एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट के पीछे

है। 38 एकड़ में फैला हुआ नालन्दा कामप्लेक्स चार ब्लाक में बैठा हुआ है। 34080 छात्रों के बैठने की सुविधा युक्त



वना प्रतीक्षित नालन्दा कामप्लेक्स आजकल छात्रों की चर्चा का विषय बना हुआ है। छात्रावास से अधिक दूरी और वातनुकूलित रहित कर्मरों के कारण छात्रों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा

भी पुरा नहीं हो पाया है। चार ब्लाक में से सिर्फ एक ब्लाक का काम रंगाई तक पहुँच पाया है वाकि तीन में फिनिशिंग भी नहीं हुई है। इस्थिति इतनी खराब है कि अभी कामप्लेक्स में सिर्फ एक ही कमरे में कक्षाएँ चल रही हैं वाकि कमरे निर्माणधीन हैं। प्रस्ताव के अनुसार भवन में सभी सुविधाएँ जैसे कैफेटेरिया आदि का होना सुनिश्चित था परन्तु पीने का पानी तक भी उपलब्ध नहीं है। साईकिल पार्किंग भी एक गहरी समस्या है। विजली, पानी और लैन जैसी सुविधाएँ उपलब्ध कराने में अभी 6 महीने और लगेंगे। परन्तु अगर इसी गति से कार्य चलता रहा तो अगले सत्र में भी नालन्दा कामप्लेक्स का काम पूरा हो पाना मुश्किल है।

छात्रावासों में हुए फेरवदल

केजीपी में छात्रों की संख्या बढ़ने के कारण विभिन्न छात्रावासों में व्यवस्था संवंधी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। नए छात्रावासों का निर्माण कार्य भी प्रगति पर है। नए छात्रावासों में चाणक्य छात्रावास

एवं भीमराव अम्बेडकर छात्रावास का निर्माण होना अभी बाकी है। लाल बहादुर शास्त्री छात्रावास में सत्र 2011 से निर्माणाधीन रिस्ति में ही छात्रों को रखा जाने लगा। हालांकि इस सत्र में छात्रावास पूर्णतः तैयार हो चुका है एवं सभी कमरे छात्रों को आवंटित किये जा चुके हैं परन्तु जल-आपूर्ति एवं साफ़-सफाई संवंधी दिक्कतें छात्रों के सामने आ रही हैं। वहाँ दूसरी और छात्राओं की संख्या में भी वृद्धि होने के कारण सर आशुतोष मुखर्जी छात्रावास को पूर्णतः महिला छात्रावास बना दिया गया है, इस छात्रावास में उपलब्ध सुविधायें वाकि के छात्रावासों के जैसी ही हैं। सर आशुतोष मुखर्जी छात्रावास मुख्यतः गेस्ट हाउस है जो पहले Ph.D. छात्रों को आवंटित था पर नए सत्र से उसे Ph.D. छात्राओं के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इससे पहले गोखले छात्रावास को महिला छात्रावास बनाया जा चुका है, जो अंतर्राष्ट्रीय एवं स्नातकोत्तर की छात्राओं को आवंटित है।

केजीपी में खुलेंगे सात नए विभाग

2. वायोसाइंस डिपार्टमेंट :

इस डिपार्टमेंट के अंतर्गत वायोसाइंस और वायोटक्नीक के बीच एक नया इंटरफेस तैयार होगा और केजीपी पहला तकनीकी संस्थान होगा जो मेडिकल साइंस सम्बंधी तकनीकी शुरूआत करेगा। ड्रग डिजाइनिंग के अलावा दवाइयों के साइड एफेक्ट कम करने की तकनीक विकसित की जायेगी।

3. इंजिनियरिंग उद्यमिता :

इतने वी टेक कोर्स होने के बावजूद छात्रों को प्लेसमेंट में परेशनियाँ आती हैं। संस्थान इंजिनियरिंग उद्यमिता इंटरेटेड कार्यक्रम की शुरूआत करेगा जिसके तहत वी टेक के बाद मार्ट्स की डिग्री मिलेगी। छात्रों को उद्यमिता सलाह के साथ -साथ अपनी खुद का उपक्रम शुरूआत करने के नस्खे बताये जायेंगे। छात्रों को वित्तीय सहायता भी दिए जायेगी।

4. इनवायरमेंटल इंजिनियरिंग डिपार्टमेंट :

कथित डिपार्टमेंट पर्यावरणीय नवीकरण, प्रदूषण नियंत्रण, जल उपयोग एवं संरक्षण होंगे।

और आपदा प्रवंधन जैसे कार्यों का संचालन करेगा।

अगर वडे पैमाने पर देखें तो वाटर सप्लाइ चेन, शहरी वाटर वेस्ट प्रवंधन और सभी रिवर वेसिन का निरीक्षण करना इसकी प्राथमिकता होगी।

5. नैनो साइंस एण्ड एनर्जी डिपार्टमेंट :

हालांकि नैनो तकनीक का हर क्षेत्र में उपयोग है लेकिन इस डिपार्टमेंट की मदद से अपरांपरिक शंश्लेषण, अभिलक्षण और नैनो पदार्थ के उपयोगी तरीके सामने आएंगे।

6. इंजिनियरिंग डिजाइन एण्ड मेनुफेक्चरिंग डिपार्टमेंट :

डिजाइन और उत्पाद के लिए देश की निर्भरता को घटाने के लिए अब हर तरह के उत्पाद के नए डिजाइन तैयार करेंगे। वाहन से लेकर टेलीकाम और हर उपभोक्ता उत्पाद का प्रतिनिधित्व करना इस डिपार्टमेंट का लक्ष्य है।

7. इंजिनियरिंग डिजाइन एण्ड मेनुफेक्चरिंग डिपार्टमेंट :

वाहन और एअरकाप्ट में कॉम्प्यूटराइज़ इंट्रोल पेनेल की महत्वा को देखते हुए कम ईंधन खपत और अच्छे गुणवत्ता वाले वाहन तैयार किए जाएँगे, जहाँ टोयोटा और जेनेरल मोर्टस जैसी बड़ी कंपनीयाँ और इनके अवगत तंत्रज्ञ भी मदद करेंगे।

पंजी Dude





केजीपी में
आर्ट कर
अन्द्रप्रैन्योरशिप
शब्द से तो आप
अब तक अवगत
हो ही चुके होंगे
तो चलिए इसमें संवंधित कुछ और चिज़ों के
वारे में जानें।

- स्टार्ट अप - कंपनी जब अपने शुरूआती दिनों में हो तथा विकासशील एवं बाजार में रिसर्च कर रही हो तब उसे स्टार्ट अप कहा जाता है।
- टी.आई.ई.टी.एस-टेक्नोलॉजी इंक्यूवेशन एवं इंट्रेप्रेन्योरियल ट्रेनिंग सोसाइटी का गठन 2005 में किया गया, यह एस.आर.आई.सी. (सपोन्सर्ड रिसर्च एवं इंडस्ट्रीयल कंसलटेन्सी) के अंतर्गत आता है।
- स्टेप- साइंस टेक्नोलॉजी अन्द्रप्रैन्योरस पार्क, संस्थान में इसका कार्यालय एस.वी.आई.वी.के सामने स्थित है। संस्थान में अन्द्रप्रैन्योरशिप के कल्वर को बढ़ाने में स्टेप का बहुत बड़ा योगदान है।
- डिपीपी (डे फर्ड प्लॉसमेंट प्रोग्राम)- आई.आई.एम अहमदाबाद के बाद आई.आई.केजीपी देश का दूसरा ऐसा संस्थान है जो डिपीपी की सुविधा अपने छात्रों को प्रदान करता है। वह फाइनल ईयर के छात्र जिनके पास एक विजनस आई डिया है परंतु इसमें जुड़े रिस्क के चलते वह प्लॉसमेंट नहीं छोड़ना चाहते, ऐसे छात्रों के लिए संस्थान

ने ईसेल आई.आई.केजीपी के साथ मिलकर इस योजना की शुरूआत की। इसमें छात्रों को पास आउट होने के बाद अपने स्टार्ट अप में कार्य करने के लिए एक वर्ष का समय दिया जाता है, यदि वह छात्र चाहे तो अगले वर्ष के प्लॉसमेंट में बैठ सकता है।

- ईसेल- अन्द्रप्रैन्योरशिप सेल, आई.आई.आई.केजीपी एक गैर लाभ संगठन है जिसकी शुरूआत स्टेप (साइंस टेक्नोलॉजी अन्द्रप्रैन्योरस पार्क) के अंतर्गत वर्ष 2006 में की गई। इसका मुख्य उद्देश्य विभिन्न संस्थानों में पढ़ने वाले छात्रों में अन्द्रप्रैन्योरशिप की भावना को उजागर करना है।

केजीपी में अन्द्रप्रैन्योरशिप का इतिहास बहुत सुनहरा रहा है, आलम यह है कि जब तक छात्र अंतिम वर्ष तक प्रवेश करते हैं उन्हें अन्द्रप्रैन्योरशिप का बुखार चढ़ ही जाता है। ग्लोबल अन्द्रप्रैन्योरशिप समिट तथा अन्द्रप्रैन्योरशिप अवेयरनेस ड्राइव में यह सिर चड़कर बोलता है। एक नज़र केजीपी के चुनिंदा स्टार्ट अप्स पर-

- डाटा रिसोल्व टेक्नोलॉजिस यह एक प्रोडक्ट वेस्ड स्टार्ट अप है जो डाटा लॉस डिटेक्शन, उसके बचाव एवं रिपोर्टिंग के लिए पूर्ण डक्टर तथा उपलब्ध है। इसकी कार्यक्रमों का अभ्यास एवं उपलब्धता तो नहीं है। इसकी शुरूआत इन्डस्ट्रीयल इंजीनीयरिंग के छात्र विकास कुमार तथा देवेश



Monitor Protect Control

मिलल द्वारा अगस्त 2008 में की गई थी। प्रारंभ में 10 लाख के निवेश से शुरू हुआ यह स्टार्ट अप आज अपने क्षेत्र के बड़े-बड़े महारथियों को (जैसे- मेकेएफै) टक्कर दे रहा है। आलम यह है कि इन चार वर्षों में ही इस स्टार्ट अप के 20000 से अधिक उपभोक्ता हैं।

2) कैपिलरी टेक्नोलॉजिस

कृष्णा भेहरा, अनिश रेडी (ईसेल आई.आई.टी. केजीपी के फाउन्डर) तथा अजय मोदानी द्वारा वर्ष 2008 में इस स्टार्ट अप की शुरूआत की गई। इसका मुख्य कार्य रिटेलरों तथा उपभोक्ताओं को विभिन्न उपाय उपलब्ध कराना है जिससे वह अपने ग्राहकों को अधिक से अधिक लुभा सके। इस स्टार्ट अप की शुरूआत कोलकाता से हुई और आज इसका कारोबार दुर्बई, यू.के., साउथ अफ्रीका तक फैल चुका है।



चुका है।

2009 में 10 कार्यकर्ताओं से शुरू हुए इस स्टार्ट अप में आज 150 से अधिक कार्यकर्ता हैं। वर्तमान में यह कंपनी 100 से अधिक बॉडस को अपनी सेवाएँ देती है। इसकी पहुँच करीब 500 शहरों में मौजूद 6000 से अधिक स्टोर्स के माध्यम से करीब 10 मिलियन उपभोक्ताओं तक है।

3) इन्टिनो

इस स्टार्ट अप की शुरूआत वर्ष 2008 में आई.आई.टी. केजीपी में अध्यनरत चार डूयल डीग्री छात्रों- जयदीप नाथ, मयंक जैन, अर्पित जैन एवं उदित सज्जन हर द्वारा की गई। "इंटिनो" वेब व मोबाइल वेस्ड लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम पर आधारित एक नया वेब्चर है। इंटिनो ने देश के विभिन्न संस्थानों में



पठन-पाठन के तरीके को बदल कर रख दिया है। इसने छात्रों के साथ - साथ प्रोफेसरों की भी कार्य काफी हद तक आसान कर दिया है।

4) पी 2 पावर सोल्यूशंस

पी 2 पावर सोल्यूशंस की स्थापना आई.आई.टी. केजीपी के छात्र श्वेतांक जैन द्वारा वर्ष 2006 में की गई थी। इस स्टार्ट अप का मुख्य कार्य अपने उपभोक्ताओं को ऐसे अनोखे व आधुनिक उपाय व समाधान प्रदान कराना है।

जिससे ऊर्जा की बचत तथा ऊर्जा गुणवत्ता प्रवंधन हो सके। पी2पी ऐसे प्रोडक्ट्स बनाती है जिससे कंपनियों की ऊर्जा गुणवत्ता बेहतर होती है, फलस्वरूप कंपनी को मुनाफा होता है। प्रारंभ में पी2पी को एक आम स्टार्ट अप की ही तरह फंडिंग के लिए काफी जुझना पड़ा। 2006 में इन्हें टी.आई.ई.टी.एस., आई.आई.टी. केजीपी से सहयोग मिला, परं पी2पी के लिए सबसे बड़ी सफलता दैनिक जागरण जैसे प्रतिष्ठित नाम को अपनी सेवाएँ देना था।

पी2पी की उन्नति का अंदेशा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र 4 महिनों में 60 लाख से अधिक के ऑडर मिल चुके हैं।

कॉउन्सलिंग सेन्टर का संदेश

आई.आई.टी. में प्रवेश होते ही छात्रों को अपने सपने साकार होते हुए प्रतीत होते हैं। परन्तु कभी-कभी जीवन की अधर में ले जाती हैं। इसी मुद्दे पर हमारी बातचीत कॉउन्सलिंग सेन्टर की कॉउन्सलर डॉ. राजेन्द्रलक्ष्मी गुहा से हुई।

डॉ. गुहा के अनुसार छात्रों की एकांकी जिंदगी ही उनकी समस्याओं का मुख्य कारण है। यदि छात्र कमरों से बाहर निकलकर

पड़ता है। इन समस्याओं का समाधान कॉउन्सलिंग सेन्टर के माध्यम से आसानी से किया जा सकता है।



अक्सर लोगों के मन में कॉउन्सलिंग सेन्टर के बारे में गलत अवधारणा होती है कि कॉउन्सलिंग लेने का मतलब है कि व्यक्ति मानसिक तौर पर बीमार है। इस सोच के कारण बहुत से छात्र कॉउन्सलिंग लेने में हिचकिचाते हैं। परंतु ऐसा

नहीं है, कॉउन्सलिंग आपको अपने सामर्थ्य को सर्वश्रेष्ठ तरीके से उपयोग करने में सहायता देती है। यहाँ तक कि आपकी तथा कॉउन्सलिंग सेन्टर के बीच की बातचीत को हर तरह से गुप्त रखा जाता है। अतः अपने जीवन की अनेक उलझनों को सुलझाने के लिए कॉउन्सलिंग सेन्टर की मदद ली जा सकती है।

Enjoy the specific taste of Indian, South Indian, Chinese, Tandoor dishes at the food café

Break n' Bite
A/C Food Café

For free doorstep delivery:
9832486646 / 7872011244

Tejvinder Singh Dhami (Rinku)
At - Hotel Park Arcade
Near IIT, Kharagpur

एक सिंगल रूम दिला दो

खड़गपुर की पावन धरती पर इस बार जो हमने कदम रखे तो चेहरे पे एक अलग ही मुस्कुराहट थी, भाई आखिरकार हमें भी फ़र्चों के समरू और सेकंड इयर का वाप बनने का अवसर प्राप्त होने वाला था पर ये मुस्कान कुछ और ही बयान कर रही थी, मन में लड्डू तो सिंगल रूम की चाह में फूट रहे थे, वो सिंगल रूम नियमिकी कामना JEE के नतीजे आने के बाद से ही शुरू हो गई थी पर यहाँ आकर पता चला कि PAN में शुरू के 2 वर्ष आपको सिर्फ़ फ़ाइंड किया जायेगा, सिंगल रूम तो बहुत दूर का खाल है, खैर वो दो वर्ष भी जैसे-तैसे फ़ाइंट मार के कट गए, और इस बार आखिरकार हम भी सिंगल रूम के मजबूत दोबदार बन के उभरे।

इसे किस्मत कहे या पिछले जन्मों के पुण्य कि HMC द्वारा की गई सिंगल रूम की

लौटरी में खुशखबरी के दर्शन हो गए, पता चला कि हॉल के 220 में सिर्फ़ 60 ऐसे भाग्यवान हैं जिन्हें अकेले रहने का मुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है, ऐसा लग रहा था मानो HMC ने हमें EX और बाकियों को फ़क्का लगा दिया हो। दिल ही दिल में सपने सजा लिए थे, अब रात भर बंदी से प्यार भरी बातें करने पर कोई टोकने वाला जो नहीं था।

खबर आई की

हर हॉल से 40-50 छात्रों को HJB, LLR तथा MS की जनसंख्या बढ़ाने हेतु उनके इच्छा अनुसार उन्हें हॉल से बेदखल कर दिया गया, सबसे दुखी तो मेरे वो बंधु निकले जो प्रथम वर्षों में MMM, छठीय में PAN, RK, RP

इत्यादि तथा अब HJB या LLR में रहने पर विवश हैं। उनके हॉल सेंटों की कदर HMC को कहाँ।

किन्तु बंधु जैसे ही

हमने अपनी कर्मभूमि अर्थात् अपने हॉल में प्रवेश किया तो पता चला कि HMC ट्रिपल में डबल को भी सिंगल का ही दर्जा देती है, सिंगल रूम की गारंटी अब भी शत प्रतिशत न थी, सब सपने विघरते हुए नजर आ रहे थे, 2 दिन तक तो निवाला गले में न उतरा, लेकिन इस बार जो हुआ उससे यकीन हो गया की पिछले जन्म में अवश्य हम कोई साध्य-मुनि ही थे, 3 बार की लौटरी के बाद भी हम सफल रहे, भोलेशंकर को 11 रूपये का प्रसाद भी चढ़ाया। हमारा एक हतोत्साहित मित्र बोलता है कि यह सिस्टम तो

फच्चा या उम्र का कच्चा

नए सत्र के आरम्भ होने के साथ ही मुझे भी अपना फचपन (फच्चानेस) याद आने लगा, जिसके कारण आज भी चेहरे पर 180 डिग्री का कोण बन जाता है। कल ही मैं खड़गपुर स्टेशन से आ रहा था कि मुझे एक अपार भीड़ दिखी, मालूम करने पर पता चला कि केजीपी में आये नए लोग आई आई टी की टैटू वाले छोटू सतरंगी के चाय की चुस्की का मजा ले रहे हैं, वहाँ आई आई टी टैटू वाले कुल्हड़ जो मिलते हैं। बहुत नवागंतुकों ने तो कुल्हड़ जमा करके भी रखा है, माता-पिता को उपहारावरुप प्रदान करने के लिए। साथ में यह हिंदायत भी दी है कि इसे प्रदर्शनी में लगाकर पड़ोसियों की इर्पा का पात्र बनने का मौका कहीं चुकने न पाए।

ये फचपन बहुत जोश एवं उन्माद से भरा कार्यकाल होता है, फेसबुक से लेकर ट्वीटर तक, लैपटॉप से लेकर फच्चा मोबाइल के VGA कैमरे तक - डेडीकेटेड टु द सर्विस ऑफ़ फोटोग्राफी। फोटोग्राफी में मगन रहने

वाला यह जीव अपने फचपन को जमाने से छिपा नहीं पाता है। कैमरे का जुनून, मेन विल्डिंग का वैकग्राउंड और 2.2 की लाइटिंग को देखकर हर फच्चे के जहन से आवाज निकलती है-'एक मेरी फोटो खिंचना'। एक हमारा बक्तु था जब हम सोटोरोला के बॉकी टॉकी मॉडल पे ही सवार करके केजीपी के इस वाइल्ड लाइफ में छोड़ दिया जाता था, परन्तु अब ये नयी प्रजातियाँ 8 मेगा पिक्सल से नीचे तो छोंक भी नहीं लेती।

सत्र के शुरुआत में कुछ दिनों के लिए कैम्पस में तीर्थ यात्रा जैसा माहौल रहता है जैसे बूढ़े माँ-बाप अपने बच्चों को चार धाम करने का दृढ़ संकल्प लेकर निकले हो। इतना

ही नहीं, उनका साथ पूरा परिवार देता है, भास्की में चाय को प्लेट से सुडकते हुए, आई आई टी कैम्पस प्रिंटेड एटीएम स्लिप के लिए कई बार ट्रान्जेक्सन करते हुए, रोज 4 बार 2.2 की दुरी को पैरों से तामिल करते हुए, फेसबुक पर वार-वार प्रोफाइल अपडेट करते हुए, इन नहें फच्चों के हाथ कभी थकते नहीं।

कैम्पस भ्रमण के दौरान मुझे यह ज्ञात हुआ की यह अदृश्य ऊर्जा का प्रवाह है, जिसके बल से

यह प्रजाति किसी भी तथ्य को असाध्य नहीं छोड़ती, या फिर यूँ कहें कि कोई गुर्थी अनसुलझी नहीं छोड़ती। दूर-दराज के सम्बन्धी और सहपाठियों के समक्ष कुछ लोगों ने केजीपी का ऐसा विवरण प्रस्तुत किया जैसे



A Very Hearty Welcome to All Freshers in IIT, KGP.

GOYAL INFOTECH

OLDEST IN IIT, KGP PROVIDING EFFICIENT SALES, SERVICE SINCE 13 YEARS.

Bumper Offers with Lowest Price
Bumper Gifts for Freshers on Laptops
Email & Gtalk id: goyalinfotech@gmail.com.

AUTHORISED DEALER: **ASUS DELL HP VIO HCL acer TOSHIBA**

ASUS K53 SM / SX010D Intel® Core™ i5-2430M Processor 2.50 GHz Graphics NVIDIA GT630M With 2 GB DDR3 V RAM, Camera , 750 GB HDD, OS DOS, 4 GB DDR3 RAM, 15.6" LED, Wireless, Blue Tooth, DVD+/-RW, HDMI, Warranty 1 Year .. Additional 4 GB RAM @Rs. 1500/- Extra. ₹12,000/- Our Price	ASUS K55VM-SX086D Intel® Core™ 3rd Generation Core i7 3610QM Intel HM76 Express Brand Intel 2.3 GHz Turbo Boost upto 3.3 GHz Cache 6 MB L3 Cache Graphics NVIDIA GT630M With 2 GB DDR3 V RAM, Camera , 1 TB HDD, OS DOS, 8 GB DDR3 RAM, 15.6" LED, Wireless, Blue Tooth, DVD+/-RW, HDMI, Warranty 1 Year .. ₹15,500/- Our Price	ASUS K53E/SX1744D Intel® Core™ i5-2430M Processor 2.50 GHz Integrated Graphics Integrated Camera , 750 GB HDD, 4 GB DDR3 RAM, 15.6" LED, Wireless, Blue Tooth, DVD+/-RW, HDMI, Warranty 1 Year OS DOS Additional 4 GB RAM @Rs. 1500/- Extra. ₹15,500/- Our Price
--	---	---

Never Buy laptop From Home Town, otherwise you will be big looser in not getting Free & Efficient Service at your Door Step.

Tech. Point
S-21, Tech Market, Beside Bimala Sweets.
Cell : 7384274972, 9126129880.
Laptop, Desktop, Sales & Service.

PRESTO / GIFTS / AWARD ITEMS
CRYSTAL / WOODEN / METAL MOMENTO

INSTANT PRINTING
DOC. PRINT
COLOR XEROX
SCANNING
SCREEN PRINT

POSTER PRINT
FLEX PRINT
A3 DOC. PRINT
PHOTO PRINT
DIGITAL PRINT
T.SHIRT PRINT

सम्पादक की कलम से

नमस्कार पाठकों,
नए सत्र में अपने पहले अंक
के साथ हम आपका स्वागत करते हैं।
गीष्मकालीन अवकाश में संथान में कई
महत्वपूर्ण बदलाव हुये हैं। उनका
लेखा-जोखा आपके सामने प्रस्तुत हैं।
कैप्स में बढ़ती जनसंख्या के रहने के लिये
नये निर्माण आवश्यक थे। नए हॉल एवं
अकादमिक कॉम्प्लेक्स के निर्माण के बारे

में हमने जानकारीप्रक लेख शामिल किया
है।

राष्ट्रीय स्तर पर रूपये
के अवमूल्यन एवं वेहिसाब महंगाई
जैसी समस्याएं मुँह वाए खड़ी हैं।
जरूरत है कि सरकार निर्णयक
कदम उठाये वरना दूरगमी परिणाम
भयावह हो सकते हैं। प्रणव मुखर्जी
के राष्ट्रपति निर्वाचित होने पर उन्हें

शुभकामनायें। उम्मीद हैं वह अपने पद की
गरिमा अनुरूप देश को दिशा देंगे।



अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हाल
ही में विश्व के सबसे महत्वपूर्ण
आयोजनों में से एक ओलंपिक खेल
संपन्न हुए। खेल पर्डितों द्वारा भारत
के आठ दस मेडल जीतने का अनुमान
तो पूरा ना हो सका पर देश के लिए
पदक लाने वाले खिलाड़ियों का हार्दि-

क अभिनंदन।

अन्त में कैप्स में नये आगन्तुकों का
स्वागत। उनकी सुविधा के लिये हर वर्ष की भाँति
इस वर्ष का फच्चा विशेषांक प्रस्तुत है।

जय हिंद।
संपादक, आवाज़

ओपी कितनी प्रासंगिक?

करती थी जिनकी संख्या आज बीसियों में हैं।
तब ऑनलाइन गतिविधिया भी नहीं हुआ
करती थी। जिमखाना ही कैप्स का केंद्र बिंदु
था।

इस बात
में कोइ दो मत नहीं है कि
हॉल के सीनियर छात्रों को
जानने का यह एक सुगम
तरीका है। बैच के बाकी
छात्रों के साथ इस प्रक्रिया
से जुड़ने पर आपस में जो
जुड़ाव आता है, वह भी
एक सकारात्मक परिणाम
माना जा सकता है।

लोकिन

कई छात्र खुद पर इतना दबाव झेलने में
असहज महसूस करते हैं। बढ़ती जनसंख्या के
साथ बड़े हॉल में इस प्रक्रिया को लागू करना
टेढ़ी खीर सावित प्रतीत हो रही है। पिछले
कुछ वर्षों में प्रशासन द्वारा भी सख्त कदम
उठाये गये हैं। दोपी छात्रों को सजा मिलने से

सीनियर छात्रों को चेतना आयी है कि उनकी एक
गलती का परिणाम भयावह हो सकता है।

इतने वर्षों से चली आ रही
इस रीत में कुछ बदलाव तो हुए हैं। देश के सर्वोच्च
संस्थान के छात्रों द्वारा अशिष्ट भाषा का प्रयोग
निश्चित रूप से अवांछित प्रतीत होता है। सीनियर
छात्रों को समझना चाहिये कि उनके फुस्तापे
निकालने के माध्यम के बजाए यह एक रचनात्मक
एवं सकारात्मक प्रक्रिया बने।

लेकिन क्या किसी पर
जबर्दस्ती अपने विचारों को थोपना उसके
अधिकारों का हनन नहीं है? इस प्रक्रिया से सशक्त
व्यक्तित्व निर्माण के दावे खोखले न सावित हों
इसके लिए प्रशासन व छात्रों को अपनी जिम्मेदारी
समझनी चाहिए कि कहीं ये किसी छात्र के अंतर्मन
पर एक अमिट कालिख न छोड़ जाएँ?

मुख्य संपादकः

प्रतिक भास्कर, सीमान्त उज्जैन,
स्वाति दास

संपादकः

अनिष्ट चौधरी, अमित कुमार
डालमिया, रोहन भट्टरे, वैभव
श्रीवास्तव, सुगन्धा, सुशील राठी,
चारुविंद अंत्रे, पुष्प भारद्वाज, राजा
पासवान, अनय आनंद

सह संपादकः

प्रशांत झा, संगम तीर्थराज, विकास
केसरी, विकास दुबे, गोपीनाथ सोरेन,
नैन्सी, रुचिका पल्लवी, कुँवर
आकाश, नीरज कच्छप, ज्ञान प्रकाश

प्रिपोर्टरः

निकेश कुमार, भव्या कुमारी, क्रिति
अग्रवाल, गौरव पुरवार, शुभम विष्ट

पाठकों के विचार एवं मुद्राव आमंत्रित हैं
editor.awaaz@gmail.com

आवाज़ के फेसबुक पेज से
जुड़ने के लिए इस लिंक पर
जाएँ

<http://www.facebook.com/awaaziitkgp>

या टाइप करें "आवाज़"

आवाज़ |
Pages
आवाज़ , IIT Kharagpur
आवाज़ Kharagpur · Media/News/Publishing
2,547 like this · 97 talking about this

क्या आप आवाज़ परिवार का
हिस्सा बनन चाहते हैं?

प्रथम एवं द्वितीय वर्षीय छात्रों व छात्राओं का
चयन जल्द ही होने वाला है। हॉल नोटिस बोर्ड
एवं आवाज़ फेसबुक पेज देखते रहें।

Say No To Ragging



"यस सर।"
"नो सर।"
साल के शुरुआत
में किसी भी सीनियर हॉल के कॉम्पन रूम में
यह आवाज़ गूँजती है।
मुनायी दे जाएगी।
हॉल के द्वितीय वर्षीय
छात्र सालों से चली आ
रही सुनियोजित
प्रक्रिया से गुजर रहे
हैं। लेकिन ओपी नाम
से विख्यात यह
प्रक्रिया क्या आज भी
उतनी प्रासंगिक है?
पक्ष-विपक्ष में कई तरक
दिये जा सकते हैं।

कुछ दस-वीस वर्ष
पीछे जाने पर हम देखेंगे कि कैप्स में
जीवन में उसके हॉल का महत्व आज के
मुकाबले ज्यादा था। तब कैप्स में कुल
मिलाकर आधा दर्जन सोसाइटी हुआ

खबरें

मार्केट में विंडोज 8 की दस्तक

माइक्रोसॉफ्ट द्वारा विकसित नया और उच्च गुणवत्ता
वाला विंडोज 8 2012 में होने
की अक्टूबर तक
लिए भी उपलब्ध
कहना है कि
उपलब्ध विंडोज है
कीभात पर
अगर विंडोज 7 से विंडोज 8 अपग्रेड करना है तो सिर्फ रु14। 99 रुप्त
होंगे। बहुत ही जल्द स्पार्टफोन भी उपलब्ध हो जाएँगे।

प्रमुख माओवादी नेता अरनव
पुरुलिया में पकड़ा गया

माओवादी राज्य समिति का स्वर्य अरनव विक्रम
को गत दिनों पहले
गिरफ्तार कर लिया
टी. खड़गपुर से
वर्षीय अरनव ने एक
सदस्यों की हत्या की
घटनाओं के पीछे
विगत वर्ष हुई
के बाद सुरक्षा वलों की यह सवासे बड़ी सफलता है।



HOT BITE

Indian★Chinese★Tandoori

* Free Home Delivery. Call : 9775644573

Near Tikka, IIT Campus

Phone: 9732968843, 9474645144



सिनेमा समीक्षा : अमर प्रेम (1971)

बॉलीवुड के पहले सुपर स्टार स्व० राजेश खन्ना उर्फ काका को श्रद्धान्जली अर्पित करते हुए सिनेमा समीक्षा में हमने इस बार फिल्म 'अमर प्रेम' को चुना है। 1971 में रिलीज हुई यह फिल्म पुष्पा (शर्मिला टैगोर) के इर्दगिर्द धूमधारी है जिसे उसके पति ने उसके माँ न बन पाने के कारण उसे घर से निकाल दिया और दूसरी शादी भी कर ली। पति का घर छोड़ कर आई पुष्पा को अपने गाँव में भी बदनामी का सामना करना पड़ता है और उसकी माँ भी पुष्पा को चरित्रहीन मानती है। परिस्थितियाँ पुष्पा को कलकत्ता के कोठे पर ले आती हैं जहाँ उसकी मुलाकत होती है एक रईस शराबी आनन्द वाबू (राजेश खन्ना) से। अपने अकेलेपन को दूर करने आनन्द वाबू



अक्सर पुष्पा के घर आते हैं। इधर पुष्पा के गाँव का एक परिवार पुष्पा के कोठे के सामने वस जाता है। इस परिवार का एक छोटा बच्चा नन्दू अपने घरवालों से छुपकर पुष्पा के पास आता है क्योंकि उसे उसकी सौतेली माँ से प्यार नहीं मिलता। किसी प्रकार से पुष्पा अपने जीवन में कष्ट महते हुए दूसरों के जीवन में प्रेम बाटती है, यही कहानी है 'अमर प्रेम'। आनन्द एवं नन्दू दोनों ही प्रेम की तलाश में हैं जो उन्हें पुष्पा से मिलता है। पुष्पा के किरदार के द्वारा निर्देशक शक्ति सामंत ने नारी की सहनशक्ति एवं दूसरों को प्यार बाटने की क्षमता को बख्ती दिखाया है। जहाँ पुष्पा और नन्दू का रिश्ता माँ बेटे के समान है वहीं पुष्पा और आनन्द वाबू का प्रेम विल्कुल शुद्ध है।

इनसे क्या कहें ?

पूर्व गृहमंत्री, जिन्हें नए मानसून सत्र में वित्त विभाग की महती निष्पेदारी दिए जाने की भी अटकलें हैं, अगर कुछ कहें तो उसके गंभीर मायने होते हैं। गत 10 जुलाई को बैंगलुरु में एक संवाददाता सम्मलेन में महानुभाव ने कथित "middle class" के बारे में कहा कि पानी की बोतल के लिए 15 और आईस क्रीम के लिए 20 रुपये खर्च करने को तैयार लोग गेहूं-चावल की कीमत में 1 रुपये की बुँदि का विरोध करते हैं।

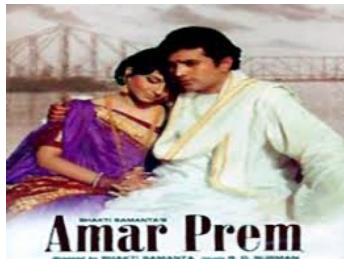


विपक्ष के जाहिगना विरोध और मध्यम वर्ग पर उनके इस कटाक्ष के आरोपों के बाद भले उन्होंने ब्यान को जान बूझकर धुमाने का पुराना रोना रोया हो, पर उच्च सरकारी ओहदों पर वैटे गणमान्य मंत्रियों से इस मामूली समझ की अपेक्षा गलत तो नहीं है कि समाज के वृहत वर्ग के लिए मिनरल वाटर या आईस क्रीम खरीदना आज भी सामर्थ्य के बाहर है और आधारभूत दैनिक आवश्यकता की चीज़ों को कभीकभार के शौक (वह भी समाज के

चुनिन्दा वर्गों के लिए) के साथ तुलना करना गरीबों के साथ भद्रा मजाक ही है।

अब उन्हें कौन समझाए की शुद्ध पेय जल उपलब्ध कराने की सरकारी असमर्थ ता ही है कि आज लोग मिनरल वाटर खरीदने को मजबूर हैं, वर्णा दशकों पूर्व पानी खरीदने की बात सोच से बाहर की बात थी। महज 32 रुपये से ज्यादा प्रतिदिन खर्च कर सकने वालों को अमीर बताने वाले सरकारी आंकड़ेवाजी के बाद, फिर से गरीबों का मध्यौल उड़ाता ये बयान ज़ाहिर करता है कि "इंडिया" आज भी "भारत" को सही अर्थों में समझ नहीं पाया है।

अमर प्रेम एक मसाला गहित एवं सरल फिल्म है। फिल्म के डाएलाग उस समय की फिल्मों से काफी अलग थे तथा काफी प्रसिद्ध हुए। फिल्म में आपको कई खामियाँ भी दिखेंगी मसलन फिल्म कई जगह खाली प्रतीत होती है (नन्दू के बचपन एवं युवावस्था के बीच का अन्तराल खाली लगता है) या फिर कलकत्ता के कोठों का महाल दोपरहित तरीके से नहीं दिखाया गया है। पर शर्मिला टैगोर की अदाकारी एवं काका के डाएलाग के लिए यहाँ फिल्म देखने योग्य है। हमारा समाज किस प्रकार से पुष्पा के गुणों को न दिखाते हुए पुष्पा के पेशे से उसके



वारे में निर्णय लेता है यहीभर्त्सना भी की है निर्देशक ने। आर० डी० वर्मन का संगीत एवं किशोर दा के बोल फिल्म में काफी जान डालते हैं। फिल्म का हर गीत काफी अच्छा है और आज भी सुना जाता है जिसमे "चिंगारी कोइ भड़के" खासा लोकप्रिय है। फिल्म का संगीत काफी मध्यम है एवं सुन्दर देव वर्मन की याद दिलाता है। कुल मिला

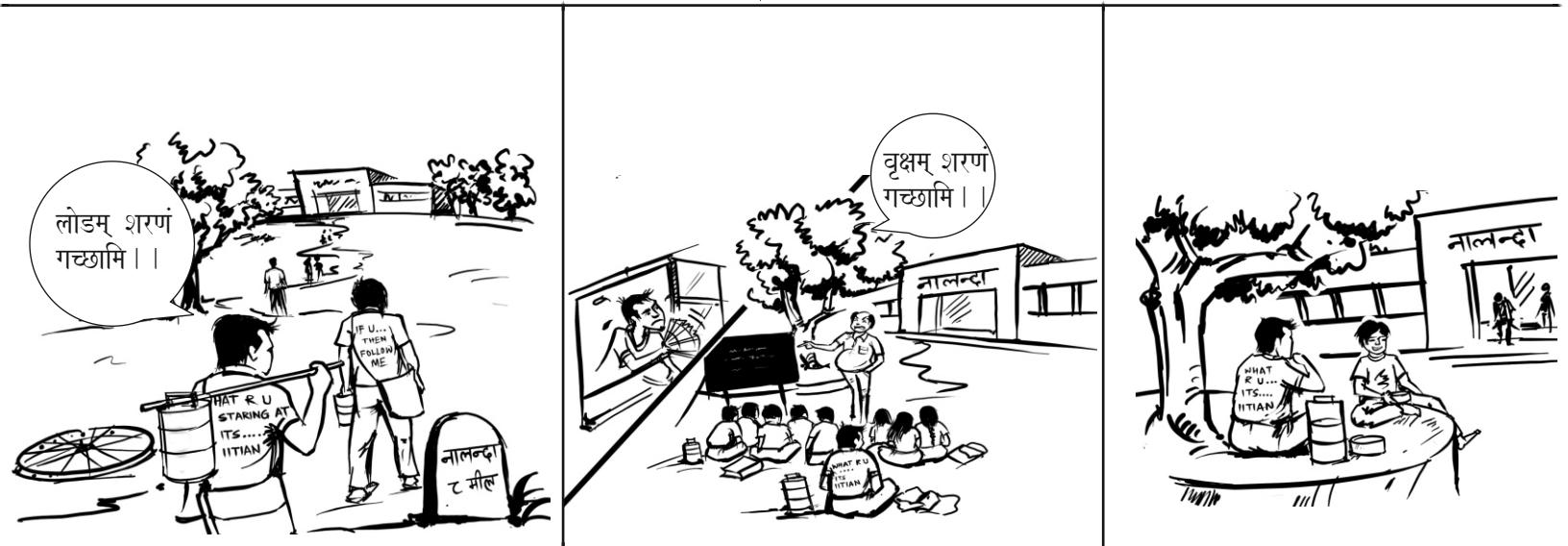
कर अगर आपको बॉलीवुड डाएलाग से परहेज नहीं हैं और आप एक नारी केन्द्रित फिल्म देखना चाहते हैं तो अमर प्रेम जरूर देखें।

केजीपी के अनछुए पहलू : रणवीर व चित्रा गुप्ता स्कूल ऑफ इंफास्ट्रक्चर्स, डिज़ाइन्स व मैनेजमेन्ट

इस स्तंभ के माध्यम से हम पाठकों को केजीपी के कुछ ऐसे पहलुओं से रुक़र करते हैं, जिनके बारे में जनता को अधिक जानकारी नहीं होती। तो इस बार हम आपका परिचय रणवीर व चित्रा गुप्ता स्कूल ऑफ इंफास्ट्रक्चर्स, डिज़ाइन्स व मैनेजमेन्ट से करवाते हैं। आर्किटेक्चर डिपार्टमेंट के समीप स्थित रणवीर व चित्रा गुप्ता स्कूल ऑफ इंफास्ट्रक्चर्स, डिज़ाइन्स व मैनेजमेन्ट की शुरूआत 5 जनवरी 2008 को श्री रणवीर गुप्ता (अलुम्नाई 1970- आर्किटेक्चर विभाग तथा सिएमा 7 डिज़ाइन ग्रुप के फाउन्डर) तथा संस्थान के संयुक्त प्रयासों से की गई। यह देशभर में मौजूद किसी भी आई.आई.टी. में शुरू किया गया अपनी तरह का

पहला स्कूल है। भविष्य में इंफास्ट्रक्चर डिज़ाइन तथा प्रवंधन के महत्व को देखते हुए इस स्कूल की स्थापना की गई। यह एक स्नातकोत्तर स्कूल है जिसमें एम.टेक, एमवीए एवं पीएचडी डिपर्टमेंट की जाती है। वर्तमान में "प्रोफेसर यू. के बनर्जी", आर.सी.जी. इंफोटेक के विभागाध्यक्ष है। इस स्कूल के स्थापित होने का बहुत बड़ा श्रेय रणवीर व चित्रा गुप्ता फाउन्डेशन को जाता है जिसमें 1 मिलियन डॉलर की राशी इस संस्थान के लिए स्वीकृत की। इस स्कूल में आर्किटेक्चर, सिविल इंजिनियरिंग, मैकेनिकल इंजिनियरिंग तथा इलेक्ट्रोकल इंजिनियरिंग से स्नातक छात्रों को गेट के माध्यम से प्रवेश दिया जाता है।

कार्टून कोना





खाना खजाना

1) छेदीज आई.आई.टी. कैम्पस के बाहर एक छोटा सा द्वावा है। 2009 से पहले तक यह 24 घंटे खुला रहता था और 1971 के युद्ध के अलावा यह कभी बंद नहीं हुआ। 2009 से छात्रों को रात के 11 बजे के बाद कैम्पस के बाहर जाने की पावंडी लगने के बाद से यह रात में बंद हो जाता है।

2) कैम्पस के बाहर होटल पार्क के समीप ब्रेक एन बाइट नाम का एक फुड कोर्ट है जो साउथ इंडियन भोजन के लिए छात्रों की प्राथमिकता है। 3) वेजीस कैम्पस का शाकाहारी रेस्टरां है।

हालांकि खास बात यह है कि रात में वेजीस बन्द होने के बाद उसी स्थान पर एगीज खुल जाता है जो निशाचरों का एक पसंदीदा स्थल है।

4) ड्रीमलैन्ड, सहारा, विल्लू नामक रेस्टरां कैम्पस में मौजूद हैं जहाँ आप वेजिटरियन एवं नॉनवेजिटरियन, दोनों तरह के खाने का लुक्फ उठा सकते हैं।

5) टिक्का और चील्लीज एक दूजे से लगे हुए हैं और टी.एस.सी. के बाहर बने हुए हैं।

6) गरीलक्ष्मीबाई हॉल के पास सी.सी.डी.

(कैफे कॉफी डे) भी छात्रों के मध्य हैं गआउट करने का पसंदीदा स्थल है। अच्छी बात यह है कि यहाँ चीज़ें किसी और सी.सी.डी. के आउटलेट से काफी कम दाम में उपलब्ध हैं।

7) सी.सी.डी. के पीछे ही हैरिटेज नामक रेस्टरां है और इसके पास ही वास्किन राविन भी है।

8) इन सबके अलावा कैम्पस में नेस्कैफे का जाल आप देख ही चुके होंगे। प्रत्येक हॉल में आपको नेस्कैफे तो मिल ही जाएगा। एकेडमिक सेक्शन के अंदर भी 4 नेस्कैफे हैं जो कि आपको कंप्यूटर साइंस डिपार्टमेंट, मेटालरजिकल डिपार्टमेंट, लाइब्रेरी तथा

विजिसोम के पास मिल जाएँगे।

9) गोलवाजार के पंजाबी द्वावा तथा लिटटी चोबे छात्रों में काफी लोकप्रिय है।

10) कैम्पस से 7 से 8 कि.मी. की दूरी पर कई अच्छे रेस्टरां हैं जिनमें शिवानी, फ्लेवर्स, गार्डन इन इत्यादि प्रमुख हैं। अगर आप रोडट्रिप पसंद करते हैं तो 60 से 65 कि.मी. दूर शेरे पंजाब नामक होटल तथा रेस्टरां है। इससे कुछ दूर आगे जाने पर "आजाद हिंद द्वावा" भी आता है जो पराठों के लिए प्रसिद्ध है।

ज़िमखाना फंडा

इतना तो अब तक आप जान ही चुके होंगे कि टीएसजी यानि टेक्नोलॉजी स्टुडेंट्स ज़िमखाना एक फ़िल से बढ़कर काफी कुछ है। सीधे लफ़ज़ों में बोला जाए तो खड़गपुर में होने वाली सारी गतिविधियों का केंद्र ज़िमखाना ही है। अगर आप कैम्पस के बाहर कुछ न होने से दुखी हैं तो आपको यह जानकर खुशी सम्पूर्ण विकास का पूरा उद्देश्य है। ओपन आई प्रतियोगिताएँ ज़िमखाना इसके अलावा आई.आई.टी. आयोजन भी ज़िमखाना की अगर ज़िमखाना के पद क्रम का सर्वोच्च पद ज़िमखाना प्रेसिडेंट का होता है। इसके बाद वी.पी.यानि कि वाइस प्रेसिडेंट की बारी आती है जो कि छात्र समीति का प्रतिनिधि होता है। वी.पी.के बाद आते हैं छह जनरल सेक्रेटरी। टेक्नोलॉजी, सोशल एवं कल्वरल और स्पोर्ट्स, तीनों के दो-दो जनरल सेक्रेटरी होते हैं। जनरल सेक्रेटरी के बाद सेक्रेटरी आते हैं जो कि अपने क्षेत्र से संबंधित कार्य देखते हैं। हर साल क्षितिज एवं स्प्रिंग फेस्ट के लिए टीमों का गठन किया जाता है जिसे कोर.टीम कहते हैं। यह पूरे वर्ष काम करके फेस्ट का आयोजन करते हैं। छात्रों की रुचि के अनुसार कई सारी सोसाइटी का गठन भी ज़िमखाना के अंतर्गत किया गया है।



केजीपी लिंगो

नीचे केजीपी में प्रयोग होने वाले कुछ शब्द दिए गए हैं। फिर न कीजिए, आप भी धीरे-धीरे इनसे परिचित हो जाएंगे। वैसे केजीपी का मूल मंत्र है 'लोड मत ले, पीस मार'।

पंजी: जिसकी सीजी 5 और 6 के बीच हो।

नहली: जिसका सीजी 9 और 10 के बीच हो।

वार्की: वार्केटबॉल

इलेक्ट्रीकल इंजिनियरिंग विभाग

घासी: एग्रीकल्वर इंजिनियरिंग विभाग

फच्चा/फच्ची : प्रथम वर्षीय छात्र/छात्राएँ

हथौड़ा: मैकेनिकल इंजिनियरिंग विभाग

मखाना: किसी काम को खराब कर देना

मगू: जिसे पढ़ाई के अलावा कुछ नहीं आता

चमक गया: समझ में आ जाना

लोड: परेशानी

फ्रुस्ट: निराश होना

फक्का लगना: असफल होना



वर्ती:

भाट : बेकार में बातें करना

हप्पा: हॉल-प्रमुख

हुहा: कुछ काफी अच्छा

मटका/मटकी: एम.टेक के छात्र/छात्राएँ पीएसआई: पहचानने से इंकार

टेप्पो: उत्साह

ठोक: एलेक्ट्रॉनिक्स एवं एलेक्ट्रिकल क्यूनिकेशन इंजिनियरिंग विभाग



फच्चों की पहेलियाँ

1 मूर्तस्वरूप चहुँओर हरियाली
C.M. थे पहले बंगाली।

4 'आवाज़' हमारी पहुँचे सब तक
चुनते हैं हम प्रतिनिधि उसके
करें नियंत्रित एक साल तक।

2 है अतीत की वहती धारा
याद दिलाए इतिहास हमारा।

3 पेम के पंछी लगाते चक्कर
दाएँ बाएँ वसे हम सब
अस्ताजे बयाँ है कुछ हटकर।

5 पास में गजीव पास में टाटा
पूर्ण वर्ष हैं चलती क्लासें
नववर्ष में क्षितिज का होता।

आई. आई. टी. खडगपुर के निर्देशक पद की सूची खारिज

सरकार ने आई. आई. टी. खडगपुर के निर्देशक पद के लिए चुने गए तीन उम्मीदवारों की सूची में से दो उम्मीदवारों को खारिज कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार पहले उम्मीदवार पी.पी. चक्रवर्ती डीन, आई.आई.टी. खडगपुर को सी।वी। आई. ने कई धोटालों के मामलों दोषी पाया, वहीं दूसरे उम्मीदवार इन्द्रनील मना, आई.आई.टी.प्रोफेसर खडगपुर के नामांकन को



गया है।

आवश्यक 10 वर्षों के अनुभव के आधाव के कारण खारिज कर दिया गया। तीसरे उम्मीदवार राजीव संगल आई. आई. टी. हैदराबाद के निर्देशक है। इसी कारणवश आई. आई. टी. खडगपुर के निर्देशक दामोदर आचार्य के कार्यकाल को तीन महीनों के लिए विस्तारित कर दिया

विभा पुरी दास स्थानांतरित

विभा पुरी दास, सचिव, उच्च शिक्षा, एम. एच. आर. डी. को जनजातीय मामलों के लिए स्थानांतरित कर दिया है। दास को नवम्बर 2009 में आई. आई. टी. खडगपुर के बोर्ड ऑफ गवर्नरस के लिए नामांकित किया गया था। किसी भी अन्य आई. आई. टी. में इतने



उच्च पोफाईल सचिव अभी तक नामांकित नहीं किए गए थे। परन्तु कई विवादों में उलझने के बाद विभा पुरी दास को स्थानांतरित कर दिया गया है।

ADITYA INFOTECH

Mob. : 9734425456, 9332569829, 03222-326859
A key to IT solutions.....

PURIGATE, IIT MAIN ROAD, KHARAGPUR

Auth. Dealer :

LOWEST IN PRICE & BEST IN SERVICE



Discount Offers : Purchase any laptop from Aditya Infotech and get discount Rs. 500 to Rs. 1,000 and free Accessories.

JAIN'S

AN EXCLUSIVE MOBILE SHOPPEE



NOKIA
Connecting People



Deals in

Mobile Handsets, Sim Cards, Vouchers, Accessories and Other Electronic Appliances



Prop.- Gagan Kr. Jain

Mob. No. 9609196091/9609296092/9609396093

Address: 82, Gole Bazaar, Kharagpur

WE ACCEPT CREDIT/DEBIT CARD